



STL GLOBAL LIMITED

Plot No. 207-208, Sector-58, Faridabad Haryana (INDIA)
Tel : 0129-4275900 - 4275930, Fax : 0129-4275999
E-mail : info@stl-global.com Website : www.stl-global.com
CIN : L51909DL1997PLC088667

Date: 15th February, 2022

From: **STL Global Limited**
Scrip Code: **532730**

To
The Listing Compliance Department,
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
25th Floor, Dalal Street,
Mumbai 400 001, MH

Sub: **Intimation of Newspaper Publication of Un-Audited Financial Results for the quarter & nine months ended 31st December, 2021**

Dear Sir/Madam,


Pursuant to Regulation 47 and other applicable Regulations of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 as amended from time to time, please find enclosed herewith copies of newspaper clippings of the advertisement published on the above-mentioned subject matter, in the following newspaper:

1. Mint – English in all Edition on 14th February, 2022
2. Veer Arjun – Hindi in Delhi Edition on 13th February, 2022

Kindly take the above information on your record and acknowledge receipt of the same.

Thanking you,

Yours truly,
For **STL GLOBAL LIMITED**


Manil Kr. Nagar
Company Secretary



Encl: As above

देश में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं : भूपेन्द्र यादव भारत में कोरोना के 50,407 नए मामले आए सामने

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव ने त्रैमासिक रोजगार सर्वे (इंक्वैस्ट्री) तथा ईपीएफओ परेन्ट डाटा की हाल की सर्वे रिपोर्टों को उल्लेखित करते हुए कहा कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार संगठित एवं असंगठित दोनों ही क्षेत्रों में कामगारों एवं श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

आज दोपहर गुरुग्राम में ईएसआईसी की 187वीं बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईएसआईसी अस्पतालों द्वारा श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा फेक्ट्रियों/एमएसएमई क्लस्टरों को एक यूनिट समझा जाएगा तथा ईएसआईसी श्रमिकों की बचाव संबंधी स्वास्थ्य जांच के लिए उनके साथ समन्वय करेगा। वर्तमान में जारी प्रायोगिक परियोजना के हिस्से के रूप में कुल 15 शहरों में स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया जाएगा। भूपेन्द्र यादव ने यह भी बताया कि ईएसआईसी को लंबित परियोजनाओं तथा ईएसआईसी के अस्पतालों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की उपलब्धता का



गुरुग्राम में ईएसआईसी की 187वीं बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव।

ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों से निर्धनों को सेवा करने वाले ईएसआईसी अस्पतालों में नियुक्त होने की अपील की तथा आश्वासन दिया कि चिकित्सकों तथा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में ईएसआईसी कॉरपोरेशन द्वारा संशोधन किया जाएगा। ईएसआईसी कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि शीघ्र ही एक

देश में निजी क्रिप्टोकॉरेसी के भविष्य पर अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता : वित्त राज्य मंत्री

इंदौर, (भाषा)। वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने शनिवार को कहा कि देश में चल रही निजी क्रिप्टोकॉरेसी वैध नहीं है और भविष्य में इसकी वैधानिक स्थिति के बारे में फिलहाल कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

कराड ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, भारत में (निजी) क्रिप्टोकॉरेसी को रिजर्व बैंक या सरकार की ओर से कोई मान्यता नहीं दी गई है। क्रिप्टोकॉरेसी देश में फिलहाल वैध नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि वह अभी नहीं बता सकते कि भविष्य में निजी क्रिप्टोकॉरेसी को वैध किया जाएगा या नहीं? उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में सरकार के शीर्ष स्तर पर चर्चा होने के बाद

ही कुछ कहा जा सकेगा। कराड ने कहा, ऐसी खबरें हैं कि कुछ लोगों ने (निजी) क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश किया है। लिहाजा क्रिप्टोकॉरेसी के लेन-देन से अर्जित लाभ पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव हाल ही में पेश आम बजट में किया गया है। वित्त राज्य मंत्री ने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या वह जनता को आश्चस्त कर सकते हैं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल-डीजल के दामों में इजाजा नहीं होगा? उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले साल दोषावली पर पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की दरों में क्रमशः पांच और 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। तब प्रधानमंत्री ने देश के तमाम

मुख्यमंत्रियों से आह्वान किया था कि वे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर राज्यों के कर घटाएं। कराड ने भाजपा के विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां तो (प्रधानमंत्री के आह्वान पर) पेट्रोल-डीजल पर कर घटा दिए गए। लेकिन गैर भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोलियम पदार्थों पर कोई कटौती नहीं की गई। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित मध्यप्रदेश की तुलना में महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल के दाम 'बहुत ज्यादा' हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पड़ोसी महाराष्ट्र में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है।

अगरतला, (वार्ता)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के कुल सात उग्रवादियों ने विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि एनएलएफटी के कम से कम पांच उग्रवादियों ने उत्तरी त्रिपुरा के आनंदबाजार शिविर में असम राष्ट्रफुल्ल के सामने आत्मसमर्पण किया, जबकि उसी गुट के दो अन्य लोगों ने उत्तरी त्रिपुरा में त्रिपुरा पुलिस की विशेष शाखा के सामने हथियार डाल दिए। पुलिस ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले पांच उग्रवादियों की पहचान रामबादल त्रिपुरा (40), जलाक्सा त्रिपुरा (38), जवा रंजन त्रिपुरा (38) और

'कम्युनल टिफिन' में 'सेक्युलर टमाटर' का 'सियासी टशन' टांच-टांच फिस्स हो चुका : नकवी

रामपुर, (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि 'कम्युनल गीत' पर 'सेक्युलर संगीत का ट्रेजर', 'चुनावी बूध' पर पिट चुका है। श्री नकवी ने आज यहाँ के ज्वाला नगर, सिविल लाइन्स एवं अन्य क्षेत्रों में भाजपा समीक्षाओं के पक्ष में विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों को समर्थित करते हुए कहा कि 'कम्युनल टिफिन' में 'सेक्युलर टमाटर' का 'सियासी टशन' टांच-टांच फिस्स हो चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए धर्मनिरपेक्षता संवैधानिक प्रतिबद्धता है जबकि 'छत्र सेक्युलर सियासी सिंडिकेट' के लिए 'सियासी सुविधा का साधन' है। भाजपा नेता ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में अल्पसंख्यक बोटों के 'सियासी सौदागरों' ने

अल्पसंख्यकों के शोषण की 75 शतरंज चालें चली हैं। कभी भय की चाल, कभी भ्रम की दाल, कभी धर्म का जाल तो कभी अफवाहों-आशंकाओं के बवाल से बोटों का अपहरण करते रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास', समावेशी संकल्प और संवैधानिक प्रतिबद्धता है। मोदी-योगी सरकार समाज के सभी वर्गों के 'सम्मान के साथ सशक्तिकरण' के रास्ते पर मजबूती और पूरी ईमानदारी से चल रही है। श्री नकवी ने कहा कि समाज को ऐसे 'सियासी सौदागरों' से होशियार रहना होगा जो 'धर्मनिरपेक्षता का चोला, बोटों के अपहरण के खेला' के 'पेशेवर खिलाड़ी' हैं। भाजपा के लिए

'सबका साथ, सबका विकास' बोटों की राजनीति नहीं, 'विकास को राष्ट्रीयति' है। श्री नकवी ने कहा कि 'छत्र धर्मनिरपेक्षता और तुष्टीकरण के राजनैतिक छल' को भाजपा द्वारा 'समावेशी विकास के बल' से ध्वस्त होने से 'उन्नी ब्रदरहुड' (बलवाइ-बाहुबली-बकनी) बौखलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुष्टीकरण, परिवारवाद, धर्म, जाति, क्षेत्रवाद के राजनीतिक स्पीड ब्रेकर को ध्वस्त कर 'समावेशी सशक्तिकरण' का हाईवे तैयार किया है। मोदी-योगी का 'सर्वस्पर्शी विकास' का संकल्प ही समाज के हर तबके की 'आँखों में खुशी और जिंदगी में खुशहाली' की गारंटी है।

बीमा कंपनी को सूचित करने में देरी के आधार पर दावे से इंकार नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

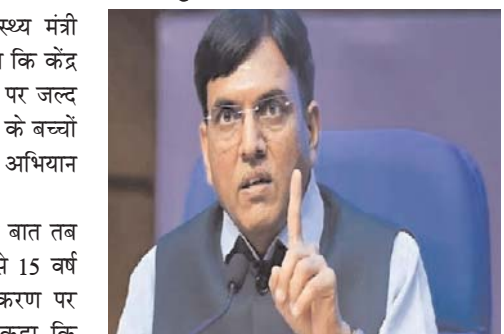
विधि संवाददाता नई दिल्ली। टूट चोरी से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बीमा कंपनी को चोरी की जानकारी देने में देरी के आधार पर दावे से इनकार नहीं किया जा सकता, यदि चोरी की घटना की एफआईआर दर्ज करा दी गई है। यह महत्वपूर्ण फैसला एक कंपनी की उस अपील पर आया, जिसकी बीमित टूट को चार नवंबर 2007 को लूट लिया गया था और पुलिस ने अगले दिन दर्ज कराई गई एफआईआर के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार तो कर लिया गया था, लेकिन टूट को बरामद नहीं हो सका था। ऑरिएंटल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने बीमा दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि टूट चोरी की घटना की जानकारी एक दिन बाद दी गई थी। बीमा कंपनी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के यहां मुकदमा जीत लिया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला

एम त्रिवेदी की बेंच ने एनसीडीआरसी के फैसले को निरस्त करते हुए कहा था कि महज बीमा कंपनी को सूचना देने में विलंब करने से दावा खत्म नहीं हो सकता, यदि तुरंत एफआईआर दर्ज करा दी गई हो। बेंच की ओर से जस्टिस त्रिवेदी ने फैसला लिखा। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए फैसले में कहा गया है कि आईना कंस्ट्रक्शन कंपनी को चोरी की एफआईआर अगले दिन तक दर्ज कराई गई थी और अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया था एवं आरोप पत्र भी दायर किए गए थे। फैसले में कहा गया है कि बीमा दावा महज मामला दर्ज करने में देरी के आधार पर खारिज कर दिया गया था और जब एफआईआर तुरंत दर्ज कराई गई तथा कानून ने अपना काम करना शुरू कर दिया तो बीमा कंपनी केवल इस आधार पर दावा खारिज नहीं कर सकती कि चोरी की घटना के बारे में जानकारी देने में देरी हुई थी।

विशेषज्ञों की सिफारिश पर 5-15 आयु वर्ग के टीकाकरण पर फैसला लिया जाएगा : मांडविया

गांधीनगर, (भाषा)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार विशेषज्ञों से सिफारिश मिलने पर जल्द से जल्द पांच से 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान शुरू करेगी।

मांडविया ने यहां पत्रकारों से यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि पांच से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए टीकाकरण पर सरकार का क्या रुख है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के समूह ने अभी तक इस आयु वर्ग के टीकाकरण पर कोई सिफारिश नहीं दी है। केंद्रीय मंत्री एक फरवरी को पेश किए गए केंद्रीय बजट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते यहां आए थे। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कब और किस आयु वर्ग को टीके की खुराक देनी है, इसका फैसला वैज्ञानिकों के समूह की सिफारिश के आधार पर लिया जाता है। हमने एक सप्ताह के भीतर एहतियाती समूह के लिए उसकी सिफारिश को लागू किया था। हम पांच से 15 वर्ष आयु वर्ग के लिए भी उसकी सिफारिश मिलने पर उसे निश्चित रूप से लागू करेंगे। देश में 15-18 वर्ष आयु वर्ग के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान पिछले



केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया

महीने शुरू हुआ था। मांडविया ने कहा, आज टीकाकरण कोई मुद्दा नहीं है। हमारे पास पर्याप्त टीके हैं, खुराकों की कोई कमी नहीं है। हम वैज्ञानिक समुदाय की सिफारिश को निश्चित रूप से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को अभी तक ऐसी कोई सिफारिश नहीं मिली है और इस संबंध में फैसला आने वाले दिनों में लिया जाएगा तथा यह कोई 'राजनैतिक फैसला नहीं है। मांडविया ने कहा कि पिछले साल देर जुलाई-अगस्त में सीरो सर्वेक्षण से पता चला कि 67 प्रतिशत बच्चों में भी एंटीबॉडीज बनीं और बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, आखिरकार ये जैविक चीजें हैं, इसलिए सिफारिश करने से पहले

झूठे दावों में व्यस्त रहने के आदी हो गए हैं योगी : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्वा ने उत्राव की पीड़ित युवती का शव मिलने की बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा है कि राज्य में महिलाओं पर अत्याचार कर उनकी हत्या कर दी जाती है लेकिन मुख्यमंत्री झूठे दावों में ही व्यस्त रहते हैं। श्रीमती वाड्वा ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा, 'उत्राव में जो घटा वो उत्तरप्रदेश में नया नहीं है। एक दलित लड़की की मां अपनी बेटी का पता लगाने के लिए दफतरो के चक्कर काटती रही, अंत में उसको अपनी बेटी का शव मिला। प्रशासन ने उसकी एक नहीं सुनी। भाजपा को इस मुद्दे पर राजनीति करने की बजाय जवाब देना चाहिए कि प्रशासन क्यों उस मां को जनवरी से दौड़ाता रहा। किसी ने इस बिटिया की मां को गुहार नहीं सुनी।' उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा, 'योगी आदित्यनाथ जी आप अपने भाषणों में कानून व्यवस्था की बात करना छोड़ दीजिए।

मेयर एपरेल लिमिटेड

CIN: L18101HR1993PLC032010
हरियाणा, भारत फोन: 91-9953696916, ई-मेल: info@meyerapparel.com, वेबसाइट: www.meyerapparel.com

31 दिसम्बर, 2021 को समाप्त तिमाही एवं नौ माह के लिए अलेखणीय विवरणों का सारांश

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही	समाप्त नौ माह	समाप्त वर्ष
		31.12.2021 अलेखणीय	31.12.2020 अलेखणीय	30.3.2021 अलेखणीय
1	प्रारंभिक से कुल आय	124.85	228.05	163.79
2	अधिभूति के लिए पतल (हॉनि) (कर, अत्याचारक और/या अतिभूति मती से मुफ्त)	(35.36)	5.21	(18.53)
3	कर पूर्व अर्थ के लिए पतल (हॉनि) (अपत्याचारक और/या अतिभूति मती से मुफ्त)	(35.36)	5.21	(11.92)
4	कर पतल अर्थ के लिए पतल (हॉनि) (अपत्याचारक और/या अतिभूति मती से मुफ्त)	(35.36)	5.21	(11.92)
5	अधिभूति के लिए कुल व्यय (अधिभूति के लिए पतल (हॉनि) (कर पतल) और अन्य व्यय (कर पतल) शामिल)	(36.11)	5.05	(3.99)
6	प्रारंभिक शेर पूंजी (अधिकतम मूल्य से 3/- प्रत्येक)	2,426.67	2,426.67	2,426.67
7	अन्य द्विक्रय			
8	अधिभूति अर्जन (कर 3/- प्रत्येक)	(0.04)	0.01	(0.01)
9	मुफ्त	(0.04)	0.01	(0.01)

वैज्ञानिक अध्ययन करते हैं। पहले हम टीकाकरण के संबंध में सिफारिशों के लिए दुनिया का अनुसरण करते थे। आज हमारे वैज्ञानिक अपना विश्लेषण करते हैं, उनका अपना अध्ययन है और इस आधार पर राय बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने तीसरी लहर के दौरान महामारी से लड़ने के लिए टीकाकरण का बहुत प्रभावी तरीके से इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर टीकाकरण से भारत को तीसरी लहर से निपटने में मदद मिली। मांडविया ने कहा कि 15-18 वर्ष आयु वर्ग के 75 फीसदी बच्चों ने कोविड-19 रोधी टीके की खुराक ले ली है और 96 फीसदी बच्चों को पहली खुराक तथा 77 फीसदी की दोनों खुराक मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 रोधी टीकाकरण ने ज्यादातर लोगों को मदद की है और इसके परिणामस्वरूप देश संक्रमण के मामलों में कमी लाने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, इन सभी के आधार पर मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूँ कि भारत कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए बहुत प्रभावी तरीके से टीकाकरण का इस्तेमाल करने में सफल रहा है।

खर्जेंद रियांग (36) के रूप में हुई है, जो आनंदबाजार के सूर्यहमपारा गांव के रूप में की गयी है जबकि थलाई जिले के मनु में रमनी कुमार पारा के रहने वाले स्वप्न त्रिपुरा (16) को एनएलएफटी के स्वयंभू कमांडर परितम देबबर्मा ने साल 2020 में भर्ती किया था। सूत्रों ने कहा कि दो साल तक समाज से अलग-थलग जंगलों में रहकर संघर्ष भरा जीवन जीते-जीते आखिरकार निराश होकर उन्होंने संगठन छोड़ने का फैसला किया और तीन दिन पहले बंगलादेश के अपने शिविर से भाग निकले।

Public Notice
My client Smt. Chander Sabharwal W/o Late Rajkumar Sabharwal R/o H. No. 1/9171, 1st Floor, Gali No. 4, West Rohtas Nagar, Shahadara Delhi, severed all relation and disowned my daughters namely Kashi Sabharwal and Bhavni Sabharwal from my all movable/immovable properties due to their misconduct. My client shall not be responsible for their acts/deeds.
K. K. Verma, Advocate, Chamber No. 384, Lawyers Chambers, Saket Court, New Delhi.

STL GLOBAL LIMITED
CIN: L51909DL1997PLC088667
Regd. Office: Unit No. 111, Block No. 1, First Floor, Tribhuvan Complex, Ishwar Nagar, New Delhi-110065
Tel: 011-26935829, E-mail: investors@stl-global.com, Website: www.stl-global.com
EXTRACT OF UN-AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER & NINE MONTHS ENDED ON DECEMBER 31, 2021

Particulars	(Rs. in Lakhs)		
	Quarter Ended (31.12.2021) Unaudited	Nine Months Ended (31.12.2021) Unaudited	Corresponding Quarter ended in the previous year (31.12.2020) Unaudited
Total Income from operations (net)	3,375.23	9,068.42	2,483.01
Total Expenses	3,279.41	8,890.77	2,360.71
Net Profit (Loss) for the period (before Tax, Exceptional Items)	96.46	249.31	122.99
Net Profit (Loss) for the period before Tax (after Exceptional Items)	96.46	249.31	122.99
Net Profit (Loss) for the period after tax (after Exceptional Items)	96.46	226.81	122.99
Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	96.75	218.97	122.99
Equity Share Capital (Face Value: Rs. 10/- each)	2,722.18	2,722.18	2,722.18
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet of previous year	--	--	--
Earnings Per Share (for continuing and discontinued operations)			
Basic:	0.36	0.81	0.46
Diluted:	0.36	0.81	0.46

Notes:
1. The above is an extract of the detailed format of Un-Audited Financial Results for the quarter and nine months ended on December 31, 2021 filed with the Stock Exchanges i.e. NSE & BSE under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 as amended from time to time. The full formats of the Un-Audited Financial Results for the quarter and nine months ended on December 31, 2021 are available on the company's website at www.stl-global.com and on the Stock Exchanges websites at BSE at www.bseindia.com and at NSE at www.nseindia.com respectively.
2. The Company has analyzed all the relevant parameters associated with the risk due to COVID-19 and is of the opinion that it will not have any material impact on the business and going concern assumptions.
3. There were no exceptional and extraordinary items during the quarter and nine months ended 31st December, 2021.

For and on behalf of the Board of Directors of STL Global Limited Sd/-

Sh. Sanjiv Kumar Agarwal (Whole Time Director) (DIN: 00227254) 8cm x 14cm

Place: Faridabad Date: 12th February, 2022

नई दिल्ली, (भाषा)। भारत में बीते एक दिन में कोविड-19 के 50,407 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,25,86,544 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 6,10,443 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से 804 और लोगों की मौत के बाद, संक्रमण से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5,07,981 हो गई। देश में पिछले छह दिन से कोरोना वायरस के दैनिक मामलों की संख्या एक लाख से कम बनी हुई है। देश में अभी 6,10,443 कोरोना वायरस संक्रमितों का इलाज चल रहा है, जो संक्रमण के

कुल मामलों का 1.43 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 87,359 की कमी दर्ज की गयी। देश में मरीजों के टीके होने की राष्ट्रीय दर 97.37 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 3.48 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 5.07 प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल 4,14,68,120 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 172.29 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23

अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 804 मामले सामने आए।

PUBLIC NOTICE
SC No.250/21
BHANU YADAV V/A KATE & ORS.
24.12.2021
Fresh petition filed under Section 372 of Indian Succession Act, 1925, is checked and registered as per rules.
Present:
Sh. Shiv Sagar Sharma, Ld. Counsel for the petitioner along with petitioner. The petitioner is directed to file the amended memo of parties reflecting that the respondent no. 1 Sh. Gopal K. K. (K) of Delhi shall be represented through the concerned SDM, Delhi. Upon filing of PF/Rf, issue notice of this petition to the SDM concerned on filing of PF for filing surcharge certificate of deceased for I.R. Notice is also issued to concerned banks i.e. respondent no. 4 to file filing details of accounts of deceased on filing of PF made returnable for NRO. Let notice be also issued to respondent no. 2 and 3 on filing of PF made returnable for NRO. Also, issue notice to this petition to the concerned public by way of publication in newspapers 'Bharat Ajaz' and 'The Statesman' and by way of affixation on the notice board of Saket Courts. Steps be taken within 20 days.
The notices shall be returnable on 15.03.2022.
(Sheetal Chaudhary Pradhan)
AG/OO/ABC (South-East), Saket, New Delhi/24.12.2021

पूवर्तक रेलवे
Email: dyenmmkgpd@gmail.com
Website: www.ner.indianrailways.gov.in & www.tenders.gov.in
निविदा सूचना संख्या: 34 डि. 11-02-2022
प्रोत्साहित के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन मूव्य सामग्री प्रबंधक/डिप्टी/पूर्वोक्त रेलवे गोवर्धन कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उत्तरी और से ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्त वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in & www.tenders.gov.in पर देखा जा सकता है। क्रम सं-01, निविदा संख्या एवं खलने की तिथि: 10206460D खलने की तिथि: 14-03-2022, नए का शीतल विवरण: प्रोक्यूरमेंट असेसमेंट फॉर सेलिंग कृते शीतल कृते इस्पात। मात्रा: 2500 Nos, असेसमेंट मती (क्याप) ₹ 68,250/-, क्रम सं-02, निविदा संख्या एवं खलने की तिथि: 10225265 खलने की तिथि: 14-03-2022, नए का शीतल विवरण: सप्लाई इस्टिमेशन एंड कमीशन ऑफ प्रेशरवुड फ्लोरिंग सिस्टम फॉर नान-एसी एच.एच.बी. कोच इत्यादि। मात्रा: 1480 Set, असेसमेंट मती (क्याप) ₹ 10,39,980/-, क्रम सं-03, निविदा संख्या एवं खलने की तिथि: 11225218 खलने की तिथि: 11-03-2022, नए का शीतल विवरण: संत ऑफ मेमोरिडिंग फॉर फ्लोर टो ए-2 रिसे इत्यादि। मात्रा: 3630 Set, असेसमेंट मती (क्याप) ₹ 1,64,910/- (1) उपरोक्त निविदा आमंत्रण के माध्यम से साइट http://www.irps.gov.in पर विवरण है जो प्रतिष्ठान इलेक्ट्रिकल पंजीकृत है वे ई-टेंडर में सम्मिलित हो सकते हैं। जो प्रतिष्ठान क्लास-3 डिजिटल सर्टिफिकेट नहीं प्राप्त की है। अधिकृत एजेंसी भारत सरकार के द्वारा अधिकृत पत्र आदेश अधिनियम 2000 से अधिकृत है उनसे प्राप्ति कर सकते हैं। मेक्युलर निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। (2) आपूर्तिकर्ताओं को यह सूचित किया जाता है कि एन मूव्य सामग्री प्रबंधक/डिप्टी/पूर्वोक्त रेलवे, गोवर्धन विभाग/निविदा एवं प्रोक्यूरमेंट विभाग कोवल प्रीस (ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम) द्वारा खोली जा रही है, जो भी प्रतिष्ठान एन मूव्य सामग्री प्रबंधक/डिप्टी/पूर्वोक्त रेलवे, गोवर्धन की निविदाओं के प्रति इच्छुक हो एवं मान लेना चाहते हो उन्हें आवश्यक डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा एवं अपने प्रतिष्ठान को CRIS/New Delhi में पंजीकृत करना होगा। इस संदर्भ में आवश्यक विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.irps.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। (3) निविदा सूचना के अंतर्गत यह निविदा प्रक्रियामें निविदा देने की तिथि में अंतर्गीत उपकरण मान्य होगा। (4) एलेक्शन सीरी निविदा प्रक्रिया, जनमत की प्रतीति का 00844517 तथा बयान वारंटीरी का 00844506 है। (5) एन मूव्य सामग्री प्रबंधक/डिप्टी/पूर्वोक्त रेलवे, गोवर्धन द्वारा प्रकाशित ई-निविदाओं का टेंडर कार्टेज तथा ईएसपी का भुगतान आन-लाइन IREPS Portal पर ही मान्य होगा जो दिनांक 01-09-2016 से या उनके बाद प्रकाशित निविदाओं पर प्रावी होगा। यह Global Tender पर प्रावी नहीं होगा। (6) एन मूव्य सामग्री प्रबंधक/डिप्टी/पूर्वोक्त रेलवे, गोवर्धन द्वारा प्रकाशित निविदा हेतु नौ नं: 087984849555 पर एलएसएम का ग्राहक निविदा की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करे।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने आतंकी हमले की निंदा की

जम्मू, (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को बादीपुरा में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की। इस आतंकवादी हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया और चार अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। उपराज्यपाल ने देर रात ट्वीट किया, 'मैं हमारे सुरक्षा कर्मियों पर किए गए घृणित आतंकवादी हमले की निंदा करता हूँ। मैं जम्मू-कश्मीर पुलिस के एस्पैओ (विशेष पुलिस अधिकारी) जुबेर अहमद शाह की शहीदी को सलाम करता हूँ।

वैधानिक सूचना: पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख को पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

वैधानिक सूचना: पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख को पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।



NSE board let Ramkrishna resign without action: Sebi

EY corroborates exchange's claim that COO was the 'Himalayan Yogi', but Sebi not convinced

Jayshree P. Upadhyay
jayshree.p@livemint.com
NEW DELHI

The mystery of the "Himalayan yogi" who advised former National Stock Exchange (NSE) boss Chitra Ramkrishna remains unsolved, with the exchange saying it was none other than chief operating officer Anand Subramanian himself—a claim also corroborated by EY, which conducted a forensic audit—while the market regulator did not find the linkage convincing enough.

During the course of investigations, managing director Ramkrishna maintained that in her emails to the third party who went as "rigyajursama", she was taking guidance from a "siddha-purusha" or "paramhansa", her spiritual guide for over 20 years. She asserted that the said person was not Subramanian.

"Ramkrishna stated that the third person was not Mr Subramanian; (but) the results of the forensic investigation conducted by EY (asked by Sebi and commissioned by NSE) concluded that the person using the email id 'rigyajursama@outlook.com' was Mr. Subramanian himself," Sebi order stated. NSE sent detailed reports to the Securities and Exchange Board of India in May and July 2018, stating that the 'yogi' was Subramanian himself.

"The confidential information of NSE were not disclosed to an unknown



Chitra Ramkrishna said that she had in her emails sought guidance from a third party—'rigyajursama', who she says is a 'siddha-purusha' or 'paramhansa'.

entity, but to the Group Operating Officer (GOO), who anyways had access to financial, operational and HR-related information about NSE. Further, NSE confirmed that no damage to the market was caused in any manner due to

responses to Sebi's questions framed in the 3 May 2018 letter," said Sebi in the order.

Ananta Barua, Sebi whole-time member, wrote in the order that the E&Y report, at best, reveals that the

"I find that there is no conclusive evidence or finding from the E&Y Report or the documents before me to prove that the unknown person who used the email id 'rigyajursama@outlook.com' was in fact, Noticee no. 6 (Subramanian)," said Sebi in the order.

Saturday's Sebi order also came down heavily on the NSE board, which was aware that Ramkrishna was passing on confidential information to an unknown third party but allowed her to resign instead of initiating action against her.

Sebi said this was a failure of checks and balances at India's largest stock exchange since, at any company, the first level of check is the board, which failed to discharge this fundamental duty. Sebi's 190-page order found the exchange, Ramkrishna, former chief executive Ravi Narain and others in violation of Sebi rules and levied monetary penalties on them. The irregularities pertain to the appointment of Anand Subramanian, chief operating officer (COO) and adviser to managing director, who was brought in as a consultant and later promoted as COO. Ramkrishna and Subramanian have also been barred from associating with any exchange, depository or market intermediary for three years.

Sebi also highlighted the glaring lack of governance in the leak of NSE's key financial information to a third person and how the board did not flag the issue to the regulator.

FAILURE TO DISCHARGE FUNDAMENTAL DUTY

RAMKRISHNA asserted that the 'third person' was not COO Anand Subramanian

SEBI order said the EY probe concluded that Subramanian was using the 'rigyajursama' ID

NSE had sent detailed reports to Sebi in 2018, stating that the 'yogi' was Subramanian himself

SEBI said the board failed to discharge its fundamental duty, which is it be a first level of check

such correspondence and that Ms. Ramkrishna confirmed that the third party had not used confidential information for any personal or monetary gain. NSE also provided detailed

unknown person was also well known and close to Subramanian but did not give a conclusive finding that Subramanian was, in fact, the unknown third person.

India must review its existing FTAs, work on new ones: CII

Ravi Dutta Mishra
ravi.dutt@livemint.com

India must review its existing trade agreements since Free Trade Agreements (FTAs) signed by India with ASEAN, Japan, and Korea have not helped Indian industry access these markets, the Confederation of Indian Industry (CII) has said amid ongoing trade negotiations with more than 20 countries.

Non-tariff measures must be identified and discussions undertaken with partner countries to resolve them for market access, CII stressed in its report 'Achieving \$1 in Merchandise Exports by 2030: A Roadmap'. New trade agreements with key large markets would help reduce tariff gaps with other supplier nations, the industry body suggested.

"FTAs should not only cover tariff liberalisation but also address non-tariff measures in partner countries. A comprehensive exercise of consultations with industry country by country should be undertaken to identify specific non-tariff measures that hinder Indian exports under the FTA. These should be systematically taken up with the FTA partners," CII said.

The CII report lamented that the US decision to withdraw the generalized system of preferences (GSP) under the administration of President Donald Trump in 2019 has impacted India's exports from labour-intensive sectors. India should press for the restoration



Non-tariff measures must be identified and discussions should be held with countries, CII said in its report.

of GSP by the US as it is the country's largest export market, CII suggested.

The report has identified 14 products as those that can contribute the most to the increase in exports, on the basis of the potential to gain global share. "These include vehicles, textiles, electrical machinery and equipment, machinery, apparel, chemical products, plastics, and pharmaceuticals," CII said.

On manufacturing, the report highlighted that India has been imposing excessively high import duties on components and intermediates and, as a result, imports of finished products have thrived, "discouraging new investments and underdevelopment of a vibrant input ecosystem in the economy".

The government should aim

to encourage the import of intermediate products that add value to exports, CII suggested.

"Overall manufacturing competitiveness in India is impacted by higher costs at every stage of the export process, ranging from starting a business to processes to transport of the products. Labour

productivity in India is low, leading to higher labour costs despite the demographic advantage. All delays and hurdles manifest in higher working capital requirements, lost orders, longer inventory holdings, and added storage costs," CII said.

CII also raised the issue of delays in implementing the four labour codes, saying that the laws have been notified but are yet to be notified by the state governments.

IL&FS to resolve debt by March

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI

IL&FS group is all set to resolve debt of ₹55,000 crore by March, the board of the crisis-hit company has stated in its affidavit filed before the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT).

While updating the progress of the resolution, the IL&FS board led by banker Uday Kotak said ₹55,000 crore debt would be resolved through asset monetization, restructuring and initiatives pertaining to insolvency proceedings.

Some of this has already been completed, while the rest is in different stages of resolution, it said in a brief snapshot on the progress made in the ongoing resolution process till 7 December 2021, and also gave estimates of progress that will be made by March this year.

IL&FS had a total outstanding debt of ₹99,355 crore as of 8 October 2018, and of this, ₹45,500 crore debt is being resolved through debt resolution initiatives by March 2022.

Of this, debt of ₹20,500 crore has already been resolved through monetization, ₹4,000 crore by way of debt discharged



The number of IL&FS's domestic entities is now down to 95.

and ₹21,350 crore in cash available across companies and Invit units due to be issued. In addition, the board also expects to resolve ₹5,300 crore through various "transactions approved by the relevant court/tribunal and pending transaction closure" and ₹4,200 crore from resolution applications filed with courts and pending approvals.

"As of 4 January 2021, the total number of entities in Respondent No 1 (IL&FS) group has reduced to 111 from 302," the affidavit said.

IL&FS's domestic entities have been reduced to 95 from 169, while offshore entities have been reduced to 16 from 133. The Board had informed that it would resolve the issues

of 29 of 60 entities through monetization process; 12 road assets under Invit; 3 assets where concession pacts were terminated and 30 entities where it initiated closure or insolvency proceedings.

The company had accumulated cash balance of ₹16,742 crore, as of 7 December 2021.

Godrej Prop to invest \$1 bn

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI

Godrej Properties plans to invest around ₹7,500 crore (\$1 billion) over the next 12-18 months on acquisition and development of new real estate projects.

In an interview, Godrej Properties executive chairman Pirojsha Godrej sounded upbeat on the growth potential in the housing and commercial real estate segments especially in four major markets—Mumbai Metropolitan Region (MMR), Delhi-NCR, Bengaluru and Pune—where the company has a huge presence. "We will invest \$1 billion (around ₹7,500 crore) over the next 12-18 months on development of new projects," Pirojsha said, adding that the planned investments would be in mix of equity and debt.

Godrej Properties, the largest listed realty firm in the last fiscal in terms of sales book-



Godrej executive chairman Pirojsha Godrej.

ings, acquires new projects through outright purchase of land parcels and also forming joint ventures with land owners.

Pirojsha said the company acquired three projects in the third quarter of this fiscal and the pipeline is strong.

"Q4 should be good for us in both sales bookings and new project acquisitions. We are likely to close many deals this quarter," he hoped.

In March last year, Godrej Properties had raised ₹3,750 crore through Qualified Institutional Placement (QIP) process as part of its objective to strengthen the company's balance sheet and future business growth.

The company's net debt is ₹313 crore as on 31 December 2021. The debt equity ratio is also only 0.04.

When asked about entering new cities, Pirojsha said: "We are interested in Hyderabad. But its not our top priority. There are huge opportunities in top four key markets where we have a major presence." The company intends to enter Hyderabad in a big way and not just for development of one or two projects, he said.

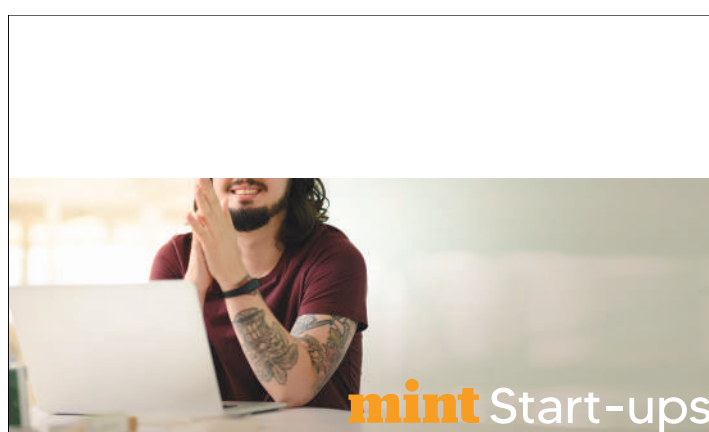
On operational performance, Pirojsha said the company is likely to achieve an all-time high sale bookings in the 2021-22 financial year, beating last year's record of ₹6,725 crore. "We will have decent growth in sales bookings this fiscal," he said.

McNally Bharat Engineering Company Limited										
CIN: L45202WB1961PLC025181										
Regd. Office: 4 MANGOE LANE, Kolkata 700 001										
Website: www.mcnallybharat.com, Email id: mbecal@mbceci.co.in										
Phone no: (033) 6628-1212										
Statement of unaudited Financial Results for the quarter and nine months ended 31st December, 2021										
Particulars	Standalone					Consolidated				
	Three months ended		Nine months ended		Year ended	Three months ended		Nine months ended		Year ended
	31.12.2021	31.12.2020	31.12.2021	31.12.2020	31.03.2021	31.12.2021	31.12.2020	31.12.2021	31.12.2020	31.03.2021
1 Total Income from operations	7,372.31	7,304.94	19,874.76	21,284.65	33,276.33	13,562.21	12,861.05	35,726.18	35,222.24	53,185.49
2 Profit/(Loss) for the period (before tax, Exceptional items)	113.51	(2,115.30)	(1,358.58)	(6,373.49)	(5,003.57)	69.21	(1,941.39)	(1,380.95)	(6,062.59)	(4,350.36)
3 Profit/(Loss) for the period before tax (after Exceptional items)	113.51	(2,115.30)	(1,358.58)	(6,373.49)	(5,003.57)	69.21	(1,941.39)	(1,380.95)	(6,062.59)	(4,350.36)
4 Profit/(Loss) for the period after tax (after Exceptional items)	113.51	(2,115.30)	(1,358.58)	(6,373.49)	(5,003.57)	69.21	(1,941.39)	(1,380.95)	(6,062.59)	(4,350.36)
5 Other Comprehensive Income (net of tax)	4.44	0.23	8.88	4.70	17.75	-	(1.77)	9.88	(27.30)	35.75
6 Total Comprehensive Income for the period	117.95	(2,115.07)	(1,349.70)	(6,368.79)	(4,985.83)	69.21	(1,943.16)	(1,371.07)	(6,089.89)	(4,314.61)
7 Equity share Capital	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08	21,157.08
8 Reserves (excluding Revaluation Reserve)	-	-	-	-	(13,776.18)	-	-	-	-	(24,602.10)
9 Earning per Share (EPS) for the period (Face value Rs. 10/- per share)										
- Basic (Rs)	0.05	(1.00)	(0.64)	(3.01)	(2.36)	0.04	(0.92)	(0.65)	(2.87)	(2.11)
- Diluted (Rs)	0.05	(1.00)	(0.64)	(3.01)	(2.36)	0.04	(0.92)	(0.65)	(2.87)	(2.11)

Note : The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the website of BSE (www.bseindia.com) & NSE (www.nseindia.com) and shall also be available on website of the company (www.mcnallybharat.com)

By Order of the Board
Srinivash Singh
Managing Director
DIN: 00796624

Place : Kolkata
Date : 13.02.2022



mint Start-ups
News of the upstarts.
Because only rebels can change the world.



Scan the QR code or visit livemint.com to subscribe

Continuous coverage of the rapidly evolving tech and start-up world. Up close with the real changemakers.



FOR LEADERS OF THE NEW ORDER

STL GLOBAL LIMITED				
CIN: L51909DL1997PLC088667				
Regd. Office: Unit No. 111, Block No. 1, First Floor, Tribhuvan Complex, Ishwar Nagar, New Delhi-110065				
Tel: 011-26935829, E-mail: investors@stl-global.com, Website: www.stl-global.com				
EXTRACT OF UN-AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER & NINE MONTHS ENDED ON DECEMBER 31, 2021				
Particulars	Quarter Ended (31.12.2021)	Nine Months Ended (31.12.2021)	Corresponding Quarter ended in the previous year (31.12.2020)	
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited
Total Income from operations (net)	3,375.23	9,068.42	2,483.01	
Total Expenses	3,279.41	8,890.77	2,360.71	
Net Profit/(Loss) for the period (before Tax, Exceptional Items)	96.46	249.31	122.99	
Net Profit/(Loss) for the period before Tax (after Exceptional Items)	96.46	249.31	122.99	
Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Exceptional items)	96.46	226.81	122.99	
Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	96.75	218.97	122.99	
Equity Share Capital (Face Value: Rs. 10/- each)	2,722.18	2,722.18	2,722.18	
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet of previous year	-	-	-	
Earnings Per Share (for continuing and discontinued operations)				
Basic:	0.36	0.81	0.46	
Diluted:	0.36	0.81	0.46	

Note :
1. The above is an extract of the detailed format of Un-Audited Financial Results for the quarter and nine months ended on December 31, 2021 filed with the Stock Exchanges i.e. NSE & BSE under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 as amended from time to time. The full formats of the Un-Audited Financial Results for the quarter and nine months ended on December 31, 2021 are available on the company's website at www.stl-global.com and on the Stock Exchanges websites at BSE at www.bseindia.com and at NSE at www.nseindia.com respectively.
2. The Company has analyzed all the relevant parameters associated with the risk due to COVID-19 and is of the opinion that it will not have any material impact on the business and going concern assumptions.
3. There were no exceptional and extraordinary items during the quarter and nine months ended 31st December, 2021.

For and on behalf of the Board of Directors of STL Global Limited
Sh. Sanjiv Kumar Aggarwal
Whole Time Director
(DIN: 00227251)

Place: Faridabad
Date: 12th February, 2022